SEMESTER-2 Paper-V ॐ Page (2)
BY- Dr. Shyam Bihari Choudhary
Topic- Evaluation of Student Teaching
Date 10/05/20

छात्र - शिक्षण का मूल्यांकन

छात्र- शिक्षण कार्यक्रम का एक मुख्य पक्ष छात्र- शिक्षण की परीक्षा है। मूल्यांकन के आधार पर छात्राध्यापक में अन्तर्निहित शिक्षण योग्यता की मात्रा तथा साथ ही उसकी कमजोरियों का पता लगाया भी जा सकता है इस प्रकार की सूचना शिक्षक-प्रशिक्षक की, आयोजित प्रशिक्षण क्रियाओं के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु प्रभावशाली तथा क्रियाशीलता के विषय में निर्णय लेने मे मदद करती है। इस सूचना के आधार पर छात्र- शिक्षण के उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकता है। यही मूल्यांकन को सम्पूर्ण शिक्षण - कार्यक्रम का अभिन्न भाग सिद्ध करती है।

छात्र- शिक्षण का मूल्यांकन के क्षेत्र का सम्बन्ध है - इसमें छात्र - शिक्षक का कक्षा मे निष्पादन तथा कक्षा के बाहर विभिन्न क्रियाओं जैसे - सामान्य विद्यालय क्रियाओं से सम्बन्धित पाठ्य- सहगामी क्रियाओं एवं छात्राध्यापक के कार्य के अन्य प्रयोगात्मक पक्षों, मूल्यांकन एवं मार्गदर्शन से सम्बन्धित क्रियाओं को आयोजित करने मे उनके निष्पादन का मूल्यांकन सम्मिलित है।

मूल्यांकन प्रक्रिया

(i) मूल्यांकन स्वयं छात्र द्वारा, अन्य सहपाठी छात्रों द्वारा, पाठ के निरीक्षण द्वारा, तथा पर्यवेक्षक द्वारा किया जाता है

(ii) मूल्यांकनकर्ता कोई भी हो उसे इकाई योजना के उद्देश्यों तथा साथ ही मूल्यांकन किए जाने वाले विभिन्न पक्षों को ध्यान मे रखना चाहिये।

Scanned with CamScanner